

एम पी एस

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(राजनीति विज्ञान)

सत्रीय कार्य
(एम ए द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम)
जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्रों के लिए



सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी , नई दिल्ली – 110068

वैकल्पिक पाठ्यक्रम : एम. ए. द्वितीय वर्ष (राजनीति विज्ञान)

प्रिय विद्यार्थियों,

आपको राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। प्रत्येक सत्रीय कार्य में वर्णनात्मक एवं संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न विद्यमान हैं। वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQ) निबंधात्मक प्रकार के उत्तरों के लेखन हेतु बने हैं, जिनमें परिचय तथा निष्कर्ष समाहित होने चाहिए। ये प्रश्न किसी शीर्षक के बारे में आपकी व्यवस्थित समझ, महत्त्वपूर्ण एवं प्रासंगिक तथा सरल तरीके से अपने ज्ञान की व्याख्या क्षमता के परीक्षण के उद्देश्य से बनाए गए हैं। संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न (SCQ) पहले आपसे तर्कों एवं व्याख्याओं के संदर्भ में किसी शीर्षक के विश्लेषण तथा फिर संक्षिप्तता में उत्तर लिखने की अपेक्षा रखते हैं। ये प्रश्न अवधारणाओं, प्रक्रियाओं संबंधी आपकी समझ तथा उनके आलोचनात्मक विश्लेषण की आपकी क्षमता के परीक्षण के लिए बनाए गए हैं।

अपना सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। यह महत्त्वपूर्ण एवं आवश्यक है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर आप अपने शब्दों में ही दें। आपके उत्तर के शब्दों की सीमा किसी भी श्रेणी के लिए दी गई शब्द सीमा के अनुरूप होनी चाहिए। ध्यान रहे, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लेखनकार्य आपकी लेखन शैली को अधिक बेहतर बनाएगा तथा आपको वार्षिक परीक्षा हेतु तैयार करेगा।

इस लघु पुस्तिका के अंतर्गत एम. ए. राजनीति विज्ञान के द्वितीय वर्ष के सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं। आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को करना है जिनमें आपका नामांकन हुआ है तथा बाकी को छोड़ दीजिए।

जमा करना:

आपको वार्षिक परीक्षा में शामिल होने के लिए सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा करना होगा। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2017 सत्र के लिए	31 मार्च 2018	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी 2018 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2018	

अध्ययन केन्द्र पर जमा किए गए सत्रीय कार्य की प्राप्ति रसीद लेना न भूलें तथा उसे अपने पास सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो पूर्णतः तैयार सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी प्रति अपने पास रख लें। सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद अध्ययन केन्द्र द्वारा उसे आपको वापस कर दिया जाएगा। कृपया इसके लिए आप अपनी ओर से भी उन पर जोर डालें। अध्ययन केन्द्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के बाद दिए गए अंकों को नोट करने के बाद उसका रिकार्ड आगे इग्नू नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन विभाग [Student Evaluation Division (SED)] के पास भेज देंगे।

भारत एवं विश्व (एमपीएसई-001)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-001/2017-2018
पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारत के वैश्विक दृष्टिकोण के विकास को प्रभावित करने वाले पारंपरिक मूल्यों का संक्षेप में परीक्षण कीजिए।
2. भारत की विदेश नीति को आकार प्रदान करने में संसद की भूमिका पर चर्चा कीजिए।
3. भारत के दक्षिणपूर्व एशिया के साथ संबंधों की मुख्य विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए उनके क्रमिक विकास की जांच कीजिए।
4. 1960 के दशक से भारत-अफ्रीका संबंधों के प्रमुख रुझानों का परीक्षण कीजिए।
5. व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि (CTBT) के विशेष संदर्भ में बहुपक्षीय निःशस्त्रीकरण पर भारत के दृष्टिकोण पर टिप्पणी कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय राजतंत्र की विशेषतायें
ख) भारत की पूर्व की ओर देखो नीति
7. क) नई शताब्दी में भारत-अमेरिका संबंध
ख) भारत-पश्चिमी एशिया संबंधों में आर्थिक और सुरक्षा कारक
8. क) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश का बदलता स्वरूप
ख) भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों में विवाद के क्षेत्र
9. क) निःशस्त्रीकरण के प्रति भारत का दृष्टिकोण
ख) नेहरू की गुट-निरपेक्ष नीति
10. क) भारत की विदेश नीति में व्यापार समूहों की भूमिका
ख) मुक्ति धर्मशास्त्र (Liberation Theology)

लैटिन अमेरिका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई-002)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-002/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. समकालीन लैटिन अमेरिका कई प्रकार से अपने औपनिवेशिक विरासत का गुलाम बना हुआ है। चर्चा कीजिए।
2. गुयाना और त्रिनिनाड की बागान अर्थव्यवस्थाएँ खंडित समाजों के रूप में विकसित हुई जहाँ जातीय और नस्लीय विभाजन को व्यावसायिक, आवासीय और आर्थिक विभागों में बांटा गया था। व्याख्या कीजिए।
3. राउल प्रेबिच (Raul Prebisch) और एच. डब्ल्यू सिंगर के मूल विचारों और नीतिगत सिफारिशों का परीक्षण कीजिए।
4. लैटिन अमेरिकी देशों में लागू किए जा रहे बाज़ार पूर्जीवाद के उपाय, राज्य-केंद्रित पूर्जीवाद की व्याधियों की तुलना में सबसे खराब हैं। चर्चा कीजिए।
5. संक्षेप में व्याख्या कीजिए किस प्रकार लैटिन अमेरिका में राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर धर्म राजनीति से संपर्क करता है।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) क्यूबा में बागान अर्थव्यवस्था
ख) क्यूबाई क्रांति की विशेषताएं
7. क) 'लोकतांत्रिक सशर्ताएं' और लैटिन अमेरिका में लोकतांत्रिक शासनों की कार्यप्रणाली
ख) लैटिन अमेरिका में लोकतंत्र के लिए संक्रमण का चक्रीय स्वरूप
8. क) लैटिन अमेरिका में कृषक एवं भूमि अधिकार आंदोलन
ख) ब्राजील में सैन्य शासन
9. क) लैटिन अमेरिका और भारत संबंध
ख) लैटिन अमेरिका में क्षेत्रवाद
10. क) मेक्सिको में वर्णसंकर (Mestizo)
ख) अर्जेन्टीना में लोकलुभावनवाद

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई-003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एसएससी/एमपीएसई-003/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. पश्चिमी राजनीतिक चिंतन के महत्व पर चर्चा कीजिए।
2. प्लेटो के राजनीतिक सिद्धांत के दार्शनिक आधार की चर्चा कीजिए।
3. अरस्तू के कार्यों पर एक टिप्पणी लिखिए।
4. कानून और राज्य पर सेंट थॉमस औरगस्टीन के विचारों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।
5. मैकियावेली के 'द प्रिंस' पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) प्रकृति और प्राकृतिक अधिकारों की स्थिति पर थॉमस हॉब्स के विचार
ख) सहमति प्रतिरोध और सहनशीलता पर जॉन लॉक के विचार
7. क) नागरिक समाज पर रूसो की आलोचना
ख) फ्रांसीसी क्रांति पर एडमंड बर्क की आलोचना
8. क) मानव तर्क के उत्कृष्ट आदर्शवादी दृष्टिकोण पर इमैन्युअल कांट के विचार
ख) जेरेमी बेंथम का राजनीतिक दर्शन
9. क) धर्म पर एलेक्स द तौकवी के विचार
ख) महिलाओं के लिए समान अधिकार पर जे. एस. मिल के विचार
10. क) हेगल का इतिहास दर्शन
ख) मार्क्स का वर्ग युद्ध सिद्धांत

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई-004)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-004/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. मध्यकालीन भारत में राज्य और संप्रभुता पर चर्चा कीजिए।
2. 19वीं शताब्दी में भारत में सामाजिक सुधारों पर एक टिप्पणी लिखिए।
3. एक सामाजिक क्रांतिकारी के रूप में ज्योतिबा फुले की व्याख्या कीजिए।
4. नरमपंथियों और चरमपंथियों की विचारधाराओं की तुलना कीजिए।
5. सामाजिक परिवर्तन पर स्वामी विवेकानंद के विचार क्या थे? विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) वी डी सावरकर का हिन्दू राष्ट्रवाद
ख) राष्ट्रवाद पर मौलाना मौडुदी के विचार
7. क) ई. वी. रामास्वामी नायकर एक सामाज सुधारक के रूप में
ख) पितृसत्ता के खिलाफ पंडिता रमाबाई की लड़ाई
8. क) गांधी के राजनीतिक विचारों का दार्शनिक आधार
ख) धर्म एवं राजनीति के मध्य संबंधों पर गांधी के विचार
9. क) संस्कृति पर जवाहरलाल नेहरू के विचार
ख) संसदीय लोकतंत्र पर नेहरू के विचार
10. क) डा. बी. आर. अम्बेडकर का वैचारिक अभिविन्यास
ख) भारत में साम्यवादी आंदोलन का विकास

अफ्रीका में राज्य एवं समाज (एमपीएसई-005)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एसएससी/एमपीएसई-005/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. अफ्रीका में राष्ट्रवाद के उदय के क्या कारण थे? औपनिवेशिक शक्तियों ने इस पर कैसे प्रतिक्रिया दी?
2. अफ्रीका में विकसित हुई राज्य की विशिष्ट विशेषताओं को बताइए।
3. अफ्रीका में सैन्य और सत्तावादी शासन के उदय में योगदान देने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।
4. अफ्रीका में राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में जातीय राजनीति से उत्पन्न चुनौतियों का परीक्षण कीजिए।
5. अफ्रीका में शीत युद्ध के विकास के विभिन्न चरणों का परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) अफ्रीका में उपनिवेशवाद का स्वरूप
ख) अफ्रीका में यूरोपीय उपनिवेशवाद का आर्थिक प्रभाव
7. क) अफ्रीका में राजनीतिक दल
ख) अफ्रीका में मानव सुरक्षा की स्थिति
8. क) अफ्रीका में शीतयुद्धोत्तर शांति स्थापना की विशेषताएं
ख) शांति एवं लोकतंत्र निर्माण में अफ्रीकी एकता संगठन (OAU) की भूमिका
9. क) अफ्रीका में ऋण की समस्या और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की प्रतिक्रिया
ख) अफ्रीका उपनिवेशों में 19वीं सदी के भारतीय प्रवास को प्रभावित करने वाले कारक
10. क) अफ्रीका पर उपनिवेशवाद का राजनीतिक प्रभाव
ख) अफ्रीका में बहुलवादी शासनों के योग कर्ता कारक

शांति और संघर्ष अध्ययन (एमपीएसई-006)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-006/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. शांति प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यकारी सुझावों के संदर्भ में शांति के नकारात्मक और सकारात्मक विचारों के मध्य अन्तर को स्पष्ट कीजिए।
2. धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष परंपराओं के कुछ पहलुओं ने यह आधार साझा किया है कि मानव स्वाभाव स्वाभाविक रूप से आक्रामक होता है। स्पष्ट कीजिए।
3. संघर्ष निवारण, नियंत्रण और विश्लेषण में नागरिक समाज की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
4. भारत-चीन विश्वास बहाली उपाय (CBMs), भारत-पाक विश्वास बहाली उपायों (CBMs) की तुलना में कही अधिक प्रभावी हैं। टिप्पणी कीजिए।
5. मानव सुरक्षा के लिए नवयथार्थवादी और उत्तर आधुनिकतावादी दृष्टिकोण का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) शांति के लिए पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण की मुख्य अवधारणाएं और चिंताएं
ख) संघर्ष प्रबंधन और समाज में शांति प्रोत्साहन में राज्य की भूमिका
7. क) शांति संकल्प के लिए एकजुटता
ख) शांति स्थापना, शांति गठन और शांति निर्माण
8. क) संघर्ष बचाव और संघर्ष समाधान में क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका
ख) अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय
9. क) असंरचनात्मक युद्ध
ख) गृहयुद्ध के संचालनात्मक एवं संरचनात्मक पहलू
10. क) युद्ध के प्रति मार्क्सवादी दृष्टिकोण
ख) शांति अनुसंधान और शांति अध्ययन

भारत में सामाजिक आंदोलन एवं राजनीति (एमपीएसई-007)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-007/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सामाजिक आंदोलनों के अध्ययन के लिए संरचनात्मक-कार्यात्मक उपागम का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
2. भारतीय मध्यम वर्गों पर वैश्वीकरण के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।
3. बहुजन समाज पार्टी के विकास, विचारधारा और सामाजिक आधार पर चर्चा कीजिए।
4. भारत में क्षेत्रीय आंदोलनों की वृद्धि और विकास के कारणों का विश्लेषण कीजिए।
5. राज्य, बाजार और सामाजिक आंदोलनों के मध्य संबंधों पर एक निबंध लिखिए।

भाग – 2

निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में नोट लिखें :

6. क) नए सामाजिक आंदोलन
ख) जातीय आंदोलनों के लक्षण
7. क) भारतीय किसान यूनियन (BKU) से पहले किसान आंदोलन
ख) मछुआरा जन आंदोलन
8. क) सापेक्ष अवमूल्यन
ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन
9. क) भारत राज्य पर प्रवचन
ख) कृषि वर्गों के अन्तर्गत भेद
10. क) महिला और सामाजिक आंदोलन
ख) पिछड़े वर्ग आंदोलन की विशेषताएं

भारत में राज्य राजनीति (एमपीएसई-008)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-008/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. 1980 के दशक के पश्चात् भारत में राज्य राजनीति की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
2. भारत में राज्य राजनीति का विश्लेषण करने के लिए उत्तर-आधुनिकतावादी और संघ निर्माण की रूपरेखा की तुलना कीजिए।
3. निर्धारकों के निर्वाचक व्यावहार का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
4. छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (CMM) की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
5. भारत में दल प्रणाली के विखंडन पर एक निबंध लिखिए।

भाग – 2

निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में नोट लिखें :

6. क) हरित क्रांति
ख) आर्थिक उदारीकरण
7. क) दलितों की निंदा (assertion)
ख) भाषायी अल्पसंख्यक समुदाय एवं राजनीति
8. क) स्वायत्ता आंदोलनों की विशेषताएं
ख) विकास, स्वतंत्रता के रूप में
9. क) जल विवादों की राजनीति
ख) भारत में सीमा विवादों की प्रकृति
10. क) सतत विकास
ख) सामाजिक आंदोलन

कनाडा : राजनीति एवं समाज (एमपीएसई-009)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-009/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भारत-कनाडा संबंधों का उन मुद्दों को चिन्हांकित कर परीक्षण कीजिए जिन्होंने दोनों के मध्य संबंधों में तनाव पैदा कर दिया है।
2. कनाडा में संघीय व्यवस्था की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।
3. कनाडा में आदिवासी स्वशासन के विकास में मुख्य परिणामों को चिन्हांकित कीजिए।
4. कनाडा में आर्थिक क्षेत्रवाद और वैश्वीकरण की प्रक्रिया के संदर्भ में कनाडा के उदार अंतर्राष्ट्रीयतावाद का परीक्षण कीजिए।
5. मानव सुरक्षा के लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए कनाडा सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) हाउस ऑफ कॉमन्स एवं सीनेट के मध्य संबंध
ख) भारत में कनाडा का सहायता कार्यक्रम
7. क) द्विभाषावाद और द्विसंस्कृतिवाद पर राजकीय (royal) आयोग
ख) क्यूबेक क्रांति और क्यूबेक राष्ट्रवाद का उद्भव
8. क) बहुसंस्कृतिवाद पर कनाडा की नीति की मुख्य विशेषतायें
ख) कनाडा में न्यायिक स्वतंत्रता
9. क) कनाडा में वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन
ख) कनाडा में एशिया के शरणार्थी और अप्रवासी
10. क) अधिकार और स्वतंत्रता का अधिकारपत्र
ख) उदारवादी और रूढ़िवादी दलों की प्रकृति और सामाजिक आधार

विश्व के मामलों में यूरोपियन यूनियन (एमपीएसई-011)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-011/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. यूरोपीय एकीकरण की प्रक्रिया को समझाने के लिए सघनवाद का एक सिद्धांत के रूप में समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।
2. यूरोपीय संघ में यूरोपीय परिषद और मंत्रियों की संरचना और भूमिका का वर्णन कीजिए।
3. यूरोपीय सुरक्षा और रक्षा नीति के उद्देश्यों और कार्यप्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।
4. यूरोपीय संघ की वृद्धि को निर्देशित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।
5. राजनीतिक, विदेशी और आर्थिक सहयोग के संदर्भ में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ यूरोपीय संबंधों का परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) एकल यूरोपीय बाज़ार का गठन
ख) मेसट्रिक्ट संधि (Maastricht treaty) की प्रमुख विशेषताएं
7. क) आर्थिक और मौद्रिक यूरोपीय संघ
ख) फ्रांस और यूरोपीय संघ
8. क) भारत-यूरोपीय संघ की समस्याएं और संभावनाएं
ख) यूरोपीय संघ और विश्व व्यापार संगठन
9. क) गरीबी उन्मूलन के लिए यूरोपीय संघ की विकास नीति
ख) यूरोपीय संघ और आसियान (ASEAN)
10. क) आप्रवासन और आस्ट्रेलिया की आर्थिक समृद्धि
ख) यूरोपीय संघ में निर्णय निर्माण

ऑस्ट्रेलिया में राज्य और समाज (एमपीएसई-012)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-012/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या के मुख्य लक्षणों की व्याख्या कीजिए।
2. ऑस्ट्रेलिया में अप्रवासन, पहचान निर्माण और नागरिकता अधिकारों की चर्चा कीजिए।
3. 1999 में गणतंत्र के लिए जनमत संग्रह की विफलता का परीक्षण कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया में संघवाद की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले कारकों का परीक्षण कीजिए।
5. वैश्वीकरण के युग में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था की बदलती प्रकृति का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलियाई दल प्रणाली की बदलती गतिशीलता
ख) ऑस्ट्रेलियाई राजनीति में दबाव समूहों की भूमिका
7. क) ऑस्ट्रेलिया में राष्ट्रवाद
ख) ऑस्ट्रेलिया में पहचान और नागरिकता
8. क) ऑस्ट्रेलिया में कल्याणकारी राज्य का विकास
ख) मूलनिवासियों (aboriginals) के प्रति ऑस्ट्रेलियाई नीति
9. क) 1980 के दशक में ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था और व्यापार
ख) 1990 के दशक में ऑस्ट्रेलिया की बहुसांस्कृतिक नीतियां
10. क) ऑस्ट्रेलियाई राजनीति में महिला भागीदारी
ख) ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासी

ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति (एमपीएसई-013)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमपीएसई-013/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के अध्ययन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
2. विदेश नीति निर्माण में ऑस्ट्रेलिया की संसद की भूमिका का परीक्षण कीजिए।
3. शीत युद्ध की समाप्ति के पश्चात् भारत-ऑस्ट्रेलिया राजनीतिक और राजनयिक संबंधों में हुए परिवर्तनों का वर्णन कीजिए।
4. ऑस्ट्रेलिया में पर्यावरण अधिनियम की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
5. हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में ऑस्ट्रेलिया की रुचि और भूमिका पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के अध्ययन के दृष्टिकोण
ख) ऑस्ट्रेलिया की विदेश नीति के निर्धारक
7. क) ऑस्ट्रेलिया की घरेलू अर्थव्यवस्था और इसकी विदेश व्यापार नीति
ख) अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका के युद्ध में ऑस्ट्रेलिया की भूमिका
8. क) चीन-ऑस्ट्रेलिया संबंध
ख) प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ ऑस्ट्रेलिया के संबंध
9. क) ऑस्ट्रेलिया की अप्रवासी नीति
ख) ऑस्ट्रेलिया में पर्यावरण आंदोलन
10. क) ऑस्ट्रेलिया की मानवाधिकार नीति
ख) ऑस्ट्रेलिया और परमाणु हथियारों की दौड़

सतत् विकास : मुद्दे एवं चुनौतियां (एमईडी-002)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमईडी-002/2017-2018
पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. सतत् विकास के अध्ययन के दृष्टिकोणों का परीक्षण कीजिए।
2. सतत् विकास के समक्ष आने वाली प्रमुख चुनौतियों का वर्णन कीजिए।
3. सतत् विकास का आंकलन करने के लिए विचारणीय विभिन्न मापदंडों का परीक्षण कीजिए।
4. असतत् औद्योगीकरण के मुख्य कारकों तथा पर्यावरण और सतत् विकास पर इसके प्रभाव का परीक्षण कीजिए।
5. निम्नलिखित की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए :
क) सतत् विकास की अवधारणा
ख) असमान विकास के सूचक

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) रेगिस्तान और सूखा
ख) पर्यावरण संरक्षण के लिए संवैधानिक प्रावधान
7. क) पर्यावरण संरक्षण के लिए क्षेत्रीय पहल
ख) पर्यावरण संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय पहल
8. क) सतत् विकास के लिए नागरिक सुरक्षा पहल
ख) गरीबी और सतत् विकास
9. क) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
ख) गैर सरकारी संगठन (NGOs) और सतत् विकास
10. क) पर्यावरण एवं सतत् विकास हेतु क्षेत्रीय सहयोग
ख) सतत् विकास के लिए पारंपरिक और स्वदेशी प्रौद्योगिकियां

भूमण्डलीकरण और पर्यावरण (एमईडी-008)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड: एएसएसटी/एमईडी-008/2017-2018

पूर्णांक: 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – 1

1. भूमण्डलीकरण की बदलती प्रकृति तथा वैश्विक जलवायु परिवर्तन के साथ इसके संबंधों की व्याख्या कीजिए।
2. पर्यावरण और विकास पर रियो घोषणापत्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
3. गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) की उत्पत्ति तथा पर्यावरण की सुरक्षा में वैश्विक राजनीति पर इनके प्रभाव की व्याख्या कीजिए।
4. नव-उदार आर्थिक सुधारों के तहत विभिन्न विकासशील देशों के अनुभवों का वर्णन कीजिए।
5. निम्नलिखित को अपने शब्दों में लिखिए :
 - क) विश्व बैंक की भूमिका
 - ख) नर्मदा बचाओ आंदोलन

भाग – 2

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) आर्थिक वैश्वीकरण में बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) और टीएनसी (TNCs) की भूमिका
ख) श्रीलंका में खनन परियोजना
7. क) 1992 का जलवायु परिवर्तन सम्मेलन
ख) पर्यावरण संरक्षण में ब्रेटन वुड्स संस्थानों की भूमिका
8. क) समाज पर पर्यावरणीय आपदाओं का प्रभाव
ख) राष्ट्रीय आपदायें और मानव निर्मित आपदायें
9. क) पर्यावरण प्रभाव का मूल्यांकन
ख) व्यापार के लिए पर्यावरणीय चुनौतियां
10. क) स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार
ख) पर्यावरण की रक्षा के लिए बहुसांस्कृतिक पहल

गाँधी के राजनीतिक विचार (एम.जी.पी.-004)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-004/ए एस एस टी/टी एम ए/2017-18
पूर्णांक: 100

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. गाँधी के सामाजिक विकास और परिवर्तन की धारणाएँ उनके रचनात्मक कार्यक्रमों में निहित हैं, चर्चा कीजिए।
2. गाँधी के औद्योगिकीकरण की आलोचना की समीक्षा कीजिए।
3. गाँधी के राज्य और स्वराज के बारे में विचारों का वर्णन कीजिए।
4. गाँधी के व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा की विवेचना कीजिए।
5. साध्य और साधनों के महत्व पर गाँधी के विचारों की समीक्षा कीजिए।

भाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) आर्थिक, नस्लीय और जाति पर गाँधी की अवधारणा।
(ख) अराजकतावादी समाज में प्राधिकार की भूमिका
7. (क) उपनिवेशवाद के विरुद्ध गाँधी का अहिंसक संघर्ष
(ख) उदारवाद और संविधानवाद पर गाँधी के विचार
8. (क) उग्र-राष्ट्रवाद की अवधारणा
(ख) समाजवाद और साम्यवाद के अर्थ
9. (क) संरचनात्मक हिंसा पर गाँधी के विचार
(ख) संघर्ष समाधान के साधन के रूप में सत्याग्रह
10. (क) गाँधी के शांतिवाद का अर्थ और अवधारणा
(ख) 'विश्व व्यवस्था' पर गाँधी की अवधारणा।

गौंधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.-007)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-007/ए एस एस टी/टी एम ए/2017-18
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. भारत में सामाजिक क्रांति की उपलब्धियों और कमियों की व्याख्या कीजिए।
2. भारत में शांति आंदोलन में नेतृत्व की भूमिका का संक्षिप्त में समीक्षा कीजिए।
3. आचार्य विनोबा भावे द्वारा प्रतिपादित विचारधारा और उसके आधारिक तत्व की विवेचना कीजिए।
4. वर्तमान मानव जाति को प्रभावित करने वाले विभिन्न पारिस्थितिकीय मुद्दों का उल्लेख कीजिए।
5. जय प्रकाश नारायण के 'संपूर्ण क्रांति' की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

भाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन
(ख) गौंधी के अहिंसात्मक आंदोलन
7. (क) मद्यनिषेध पर गौंधी के विचार
(ख) लोकतंत्र और सामाजिक क्रांति
8. (क) गौंधी और किसान आंदोलन
(ख) भारत में पारिस्थितिकी महिलावाद (Eco-Feminism)
9. (क) भारत में राष्ट्रीय जल संरक्षण नीति, 2002
(ख) इक्कीसवीं सदी में ग्रीनपीस आंदोलन
10. (क) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोध आंदोलन
(ख) पोलैण्ड में सॉलिडेरिटी आंदोलन (Solidarity Movement)

शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.-008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-008/ए एस एस टी/टी एम ए/2017-18
पूर्णांक: 100

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. एक समरस समाज के निर्माण में सहिष्णुता के महत्त्व की जांच कीजिए।
2. शांति के साधन के रूप में राज्य और नागरिक राज्य की भूमिका का उल्लेख कीजिए।
3. निम्नलिखित पर अपने शब्दों में टिपपणी कीजिए :
 - (क) सामुदायिक शांति की गाँधीवादी दृष्टि
 - (ख) शांति की महिलावादी दृष्टिकोण की प्रमुख विशेषताएँ
4. मानव में निहित संघर्ष के संबंध में प्रमुख सैद्धांतिक दृष्टिकोणों की चर्चा कीजिए।
5. संघर्ष समाधान के पश्चिमी दृष्टिकोण की प्रमुख विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

भाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6.
 - (क) समझौते और मध्यस्थता के पश्चिमी दृष्टिकोण
 - (ख) संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण
7.
 - (क) चिपको आंदोलन
 - (ख) उपवास संघर्ष समाधान का प्रभावशाली उपाय
8.
 - (क) अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)
 - (ख) रोलट सत्याग्रह
9.
 - (क) शांति सेना का विचार और संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका
 - (ख) नौआखाली के संबंध में गाँधी के निर्भयता का विचार
10.
 - (क) उत्तरपूर्व भारत में शांति के प्रयास
 - (ख) श्रीलंका में नीर्जातीय संघर्ष में भारत की भूमिका

संघर्ष प्रबन्धन, परिवर्तन और शांति निर्माण (एम.जी.पी.ई.-010)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी-010/ए एस एस टी/टी एम ए/2017-18
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. संघर्ष उन्मूलन के समकालीन बहस/वाद-विवादों की समीक्षा कीजिए।
2. संघर्ष के स्रोतों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।
3. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में विवरण दीजिए:-
(क) संघर्ष विश्लेषण के मुख्य तत्व
(ख) संयुक्त राष्ट्र और संघर्ष प्रबंधन
4. संघर्ष प्रबंध की विभिन्न विधियों और पद्धतियों की चर्चा कीजिए।
5. नागालैण्ड में हिंसा की समस्या का उल्लेख कीजिए।

भाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संघर्ष परिवर्तन के अहिंसात्मक दृष्टिकोण
(ख) संरचनात्मक हिंसा
7. (क) स्वराज पर गाँधी के विचार
(ख) चम्पारण सत्याग्रह
8. (क) शांति निर्माण के प्रमुख विशेषताएँ
(ख) दक्षिण अफ्रिका में गाँधी का सत्याग्रह
9. (क) शांति निर्माण का दृष्टिकोण
(ख) संघर्ष के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास
10. (क) अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण में भारत की भूमिका
(ख) गाँधी द्वारा प्रतिपादित न्यासिता के विचार

मानव सुरक्षा (एम.जी.पी.ई.-011)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-011/ए एस एस टी/टी एम ए/2017-18
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. मानव सुरक्षा की अवधारणा का अर्थ और विकास समझाएँ। समाज के वंचित वर्गों के कल्याण के लिए इसका क्या महत्त्व है।
2. डॉ. महबूब – उल-हक के मानव विकास और मनाव सुरक्षा की अवधारणाओं के लिए योगदान का उल्लेख कीजिए।
3. निम्नलिखित का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए :—
 - (क) मानव सुरक्षा की गाँधीवादी दृष्टि
 - (ख) लिंग, विकास और मानव सुरक्षा
4. ग्रामीण असंगठित श्रमिक वर्ग की विभिन्न विशेषताओं का परीक्षण कीजिए। इसकी स्थिति में सुधार के लिए कुछ उपायों की चर्चा कीजिए।
5. भारत में महिलाओं की सीमांतीकरण की व्याख्या कीजिए। उनकी स्थिति में सुधार के लिए उपाय समझाएँ।

भाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6.
 - (क) राज्येत्तर हिंसा की अवधारणा
 - (ख) दक्षिण एशिया में राज्य-हिंसा
7.
 - (क) वैश्विक तापन और विकास के बीच संबंध
 - (ख) खाद्य सुरक्षा और वैश्विक चिंता
8.
 - (क) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सुरक्षा के उपागम
 - (ख) नव विश्व व्यवस्था
9.
 - (क) मानव सुरक्षा और विकास
 - (ख) दक्षिण एशिया में मानव सुरक्षा
10.
 - (क) मानव सुरक्षा और गरीबी उन्मूलन
 - (ख) भारत में मानव सुरक्षा

नागरिक समाज, राजनीति शासन और संघर्ष (एम.जी.पी.ई.-013)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई-013/ए एस एस टी/टी एम ए/2017-18
पूर्णांक: 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग-I

1. हेगेल की नागरिक समाज की धारणा की व्याख्या कीजिए।
2. दक्षिण एशिया में नागरिक समाज की भूमिका और प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।
3. भारत में शांति आंदोलन का विकास और प्रकार का वर्णन कीजिए।
4. पंचायती राज संस्थाओं के अध्ययन के लिए विभिन्न उपागमों का उल्लेख कीजिए।
5. नागरिक समाज की अवधारणा की प्रकृति और विस्तार क्षेत्र का संक्षेप में विवरण कीजिए।

भाग-II

निम्नलिखित प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) नागरिक समाज संगठनों की जवाबदेही
(ख) संरचनात्मक कार्यक्रम की अवधारणा
7. (क) विकसित पूँजीवाद राज्य पर बहस
(ख) बाज़ार, राज्य और नागरिक समाज के बीच बदलते संबंध
8. (क) महिलाओं का सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण
(ख) राज्य और नागरिक समाज के बीच संबंध
9. (क) स्वैच्छिक कार्यों को गतिशील बनाने में गैर सरकारी संगठनों की भूमिका
(ख) गाँधीवादी नागरिक समाज और भूमण्डलीकरण
10. (क) परमाणु विरोधी आंदोलन
(ख) वैश्विक शांति में कार्यरत संगठन